



आज देवी
चंद्रघंटा
की पूजा

NBT

नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 19001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 19001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

नेतन्याहू ने
कहा, हमने US
को ईरान जंग
में नहीं घसीटा
▶ देखें अंदर



मिशन
शक्ति
मां की तुलना
मां की संभाल
मां की सम्पत्ति



देश के मोबाइल
उत्पादन का
55%

**ज्योति
समृद्धि की**



**3 करोड़+
रोजगार
के अवसर**

सुविधाओं संग
सुरक्षित परिवेश
निवेश में
**अग्रणी
उत्तर प्रदेश**

डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत
**197 एमओयू
₹34 हजार करोड़+
का निवेश**



**75,000
एकड़
का लैंड बैंक**



**₹50 लाख
करोड़+
के निवेश
प्रस्ताव**



जर्मनी एवं फ्रांस, यूके,
यूईई एवं सिंगापुर,
जापान, दक्षिण
कोरिया, ताइवान के
निवेश डेस्क



**नोएडा
बना आईटी हब,
लखनऊ
बन रहा एआई हब**



यमुना एक्सप्रेसवे
क्षेत्र में फिल्म सिटी
का कार्य गतिशील



**21 हजार+
स्टार्टअप**

**ग्रीन हाइड्रोजन
2 सेंटर ऑफ
एक्सीलेंस स्वीकृत**



जापान,
सिंगापुर,
जर्मनी और
वर्ल्ड
इकॉनॉमिक
फोरम में
**₹4.46 लाख
करोड़+
के एमओयू**

नवनिर्माण के
**9
वर्ष**



पारदर्शी
सिस्टम
**निवेश मित्र,
निवेश
सारथी
पोर्टल**



नोएडा, लखनऊ
बन रहे ग्लोबल
कैपेबिलिटी सेंटर
(GCC) हब



**34
सेक्टरल
पॉलिसी**

सूक्ष्म, लघु एवं
मध्यम उद्योग
96 लाख+ इकाइयां



5 हाइपरस्केल डाटा
सेंटर पार्क,
**₹30 हजार करोड़
के निवेश का लक्ष्य**



लखनऊ में यूपी का
पहला इलेक्ट्रिक
बस प्लांट

**31 हजार
कारखाने संचालित**



फार्मा कॉन्वलेव 1.0 में
**₹10 हजार करोड़
के एमओयू**



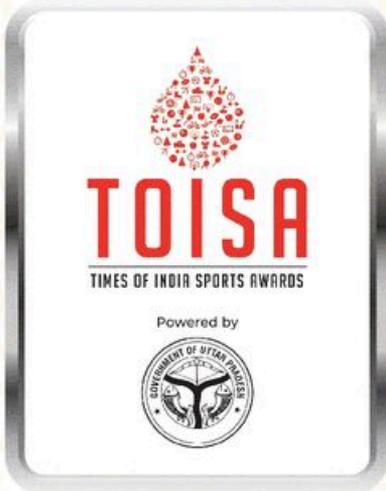
विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश





TIMES INTERNET



Yogi Adityanath
Hon'ble Chief Minister, Uttar Pradesh
Chief Guest

WITNESS THE SURGE OF SPORTING SPIRIT IN UTTAR PRADESH.

Experience India's grandest celebration of sporting excellence, bringing together **100+ elite athletes** and **50+ prestigious award categories** under one roof.

21 March 2026 | LUCKNOW



Leander Paes



P. T. Usha



Abhinav Bindra



Anju Bobby George



Harmanpreet Kaur



Mithali Raj



Bhaichung Bhutia



Sandeep Patil



Madan Lal



Kuldeep Yadav



Saina Nehwal



P. R. Sreejesh



P. V. Sindhu



Mirabai Chanu



Sakshi Malik



Ravi Dahiya



Harleen Deol



Shafali Verma



Deepti Sharma



Yogeshwar Dutt



Deepa Malik



Devendra Jhajharia



Sumit Antil



Avani Lekhara



Manika Batra



Lakshya Sen



Sardar Singh



Rani Rampal



Dipa Karmakar



Amit Rohidas



Raj Kumar Pal



Lalit Upadhyay



Sheetal Devi



Jagbir Singh

#MOROSWEATMOREGLORY

समाचार

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स | आजकाल (आजकाल व लखनऊ में एक साथ प्रकाशित) | बुधवार, 21 मार्च 2025

महंगाई का डर

इंडस्ट्रियल डीजल के दाम बढ़े

भारत के पेट्रोल मार्केट में इसके प्रीमियम वैरिएंट को हिस्सेदारी बहुत कम है, केवल 2 से 4% तक। लेकिन, इसका 2.35 रुपये तक महंगा होना बतलाते हैं कि पश्चिम एशिया में जहाँ संघर्ष की वजह से तेल-गैस का दाम बढ़ा है और शायद कंपनियों के लिए इसे संभालना मुश्किल न रहे। इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में भी बढ़ोतरी हुई है।

रिफाइनरी पर हमले। मौजूदा संघर्ष में तेल-गैस विक्रेताओं को रिफाइनरी बंद करने के डर से ग्लोबल मार्केट में अभावकारी का फलित है। कुवैत ने अक्सर कि शुकुआर को भी ईंधन में इसकी भीमा अल अरामी रिफाइनरी पर हमला किया, जिसके बाद उसके कुछ हिस्से को बंद करना पड़ा। संयुक्त, UAE और कतर - इन सभी की उद्यमन क्षमता प्रभावित हुई है, जिससे रिफाई केन पर दबाव बढ़ा है।

सिवाही उद्योग। संकट से निपटने के लिए भारत अपने आयात में विविधता ला रहा है। लेकिन, क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमत परेशानी बनी हुई है। क्रूड अब भी 100 डॉलर प्रति बैरेल के ऊपर है, जबकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि अगर युद्ध जारी रहे तो दाम 180 डॉलर के पार भी जा सकता है। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से भारत के लिए प्रभावित और बढ़ गई है। इसे तेल की खरीद के लिए उच्च विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ रहा है। शुकुआर को रुपये टूटकर 93.71 पर पहुंच गया।

उत्पत्तिकाओं और तेल। भारत में तेल की कीमतें बाजार स्थिति के हिसाब से कंपनियों तक जाती हैं। संकट ने राफ्ट किंग के लिए स्टैंडर्ड पेट्रोल के दाम नहीं बढ़े हैं, लेकिन अक्सर प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल का बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ेगा। इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में करीब 21 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसका इस्तेमाल भारी उद्योगों और ट्रेकिंग मोटारों के लिए जाता है। इसका दाम बढ़ने से उद्यमन लागत बढ़ सकती है, उद्योगों का मुनाफा घटेगा और कई संभान मंही हो सकते हैं। कमलस LPG संकट की वजह से पहले ही बचप्री अवर पड़ रहा है।

वास्तविक समाधान। जापान, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी समेत 6 देशों ने होमजु स्ट्रेट के आबाबादी के लिए सुरक्षित जहाजों में राहण्य करने की बात कही है। यह बतने डराने का नतीजा है कि इन देशों को मनुवरी में इस भावने से डरना पड़ रहा है। हालांकि वास्तविक समाधान अमेरिका-इराकल और ईरान के हाथ में है। दोनों पक्षों को शान्ति के लिए प्रयत्न करने चाहिए, यही पूरी दुनिया के हित में होगा।

खुले मन से

नाले से गैस पर मीम क्यों, चूल्हें क्यों नहीं जले

गुलजार ने लिखा है-
चूल्हे नहीं जलना कि बसती ही जल गई
कुछ रोज हो गए हैं अब उठना नहीं थुआँ
जब से कुकिंग गैस की समस्या पैदा हुई तब से
जले से गैस वाले मीम लगाकर बाजार लो हो रहे हैं।
बरखे पहले एक भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने
जले की गैस से चूल्हा जलाने का उदाहरण
दिया था। इस पर काम तो नकल से हुआ नहीं, उन्हे सना पत्र और
विषय दोनों ही भाषणवादी और एक-दूसरे पर निरासी हमले करने
में ही मगन रहे। अब आप दूसरी तरफ सिमापूर, जाबन, यूरोप और
कनाडा को देते तो वह हार किन्तम की गंभीरी, कूड़े और वायोकेट को
एनर्जी और सोनीकी यानी कोरड बल्बोंस में बदला जा रहा है। लोग
अगर नले से गैस वाली बात को मीम बना रहे हैं तो इतलिये बल्बोंक
सकरी महसुस नहीं करनी इस पर खान ही नहीं दिख कि कया गंभीरी
किन्ते बडे संसाधन है। जापान में ककरे से विकसी बनी है, सिमापूर
में सोविय ट्रांसेट प्लैंट ऊर्जा पैदा करते हैं। यूरोप के कई शहरों में
मल-मूत्र से बायोगैस बकाकर बने फल रही है और धरों में जला फल
जा है। वहां कूड़ा समस्य नहीं, संस्रधन है। हमारे जहाँ संसाधन भी
समस्य बन जाता है। भारत में रोज लाखों टन वैबिक कयाय फेड
होता है, करोड़ों पशु है, उनका मल है, कृषि अवशेष या पचली आदि
कजाए जाते हैं और शहरों के खुले नाले बहते हैं, लेकिन खाना फसने
के लिए हमें सफ्ट पार से गैस के जलाय बुलानी पड़ते हैं।

अभी जब ईरान अमेरिका इराकल का युद्ध शुरू हुआ है तो लोगों
का ध्यान इस ओर जना शुरू हुआ। हम अरबी डॉलर एरपीनी भी
आयात पर खर्च कर रहे हैं। दूसरी तरफ ककरे और गंभीरी पर भी
खर्च हो रहा है। अक्सर खेकस में घर-घर रिफिलर पहुंच
देना एक सामाजिक उपलब्धि थी, इसमें कोई शक नहीं। धुआँ न लेने
से महिलाओं का स्वास्थ्य सुधर, जीवन आसन हुआ, लेकिन अब
समझल यह है कि कय हमने सुविधा के साथ दुर्घटना भी जोड़ी।

दिखा। बरखे पहले गाँवों में गैबर गैस प्लैंट लगाए गए, लेकिन उन्हें
पुरी तरह से उपायोग और गाँव को ईंधन और ऊर्जा के स्रापने में
आन्वेषित बनने का अधिबन नहीं कनाय गया। हमारी रसेई का
बलिषय अब छाडी देशों की राजनीति, समुंद्री बंधन दरो और वैश्विक
युद्धों के हालात पर निर्भर है। जिस देश में गैबर से घर ली जाते
थे, उसी देश में गैबर से मीम बनाया और आउटडेटेड बना जाता है।

नीतिब एसी बनी है जो तनुकल फयदे के चककर में दूर की सोच
नहीं रखती। जैसे एरपीनी रसेईडी देवा आसन है, पर बायोगैस
प्लैंट बनाने कतिना। रिफिलर बंधना दिखता है, सिमापूर फयदे
देता है, लेकिन सोविय ट्रांसेट प्लैंट बंद नहीं दिखता। इस बीच
जाबन जैसे देश युवापक्ष अरब ककरे को 'रेंडना' बना रहे हैं। सिमापूर
समूह में जमना बना रहा है और हम कूड़े के फाड़ा बना रहे हैं।

क तकनीक का नहीं, संघर्ष का फरक है। भारत में हर खल लाखों
टन कृषि अवशेष जलए जाते हैं। दिल्ली की हवा जहली होती है,
खेती की मिट्टी कमजोर होती है और ऊर्जा आसमन में धुआँ बनकर
उड़ जाती है। अगर यही अवशेष बायोगैस का कमेरेड बायोगैस में
बदले तो लाखों किन्तम के अवनर ईंधन मिल सकता है। ऊर्जा
आन्वेषित केवल किन्तम का इन्फ्रे में ही नहीं आणी। यह तब
आणी जब गाँव का कयाय गाँव के इन्फ्रे में बलवत्ता, शहर का नाल
शहर के लिए विकली बकाए, घर की उत पर घर के लिए विकली
सेमी। शायद तब नले की गैस पर हमने बावले लोग उसी गैस से
कनी खय पी रहे होंगे कबकि ऊर्जा का अरसी स्रोत जमने के नीचे
का तेल नहीं, दिमण के अंदर का विचार होता है। लिखाव अब जो
मीम बनाए जा रहे हैं, उनसे निमेषड को परेशन होने के बजाए
किन्तम-मनक करने की जरूरत है और जो उन्हें विदुने के लिए एख
कर रहे हैं, उन्हें कुछ मग आगे का रास्ता दिखाने वाले भी बनने
चाहिए। बहाइल, रिफिलर की गमती बने लोणों का जो हाल है उस
पर सादिय सफरद सदी का यह ओर और बात खन कि-

हमारे सौंस हमें दुख का सालन
हमारा दिल जो चुलना बत रहा।

होमजु स्ट्रेट में रुकावट से रूसी तेल की मांग बढ़ी, दाम बढ़ने से अरबों का मुनाफा अभी युद्ध का असली विजेता रूस है

अमेरिका और ईरान का टकराव दिखाते हैं कि एक जगह का संकट पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकता है। पिछले महीने हुए हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। हमलों और जवाबी कार्रवाइयों से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। स्ट्रेट ऑफ होमजु में रुकावट से तेल की रकबाई प्रभावित हुई है, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इस स्थिति ने दूसरी बड़ी तकती को भी अपनी रणनीति बदलने का मौका दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति और पैचीदा हो गई है।

आर्थिक फायदा। रूसी रणनीति के लिए यह टकराव एक अतीव रणनीतिक स्थिति बनता है। रूस ने हमलों की आलोचना की और ईरान को कुछ खुफिया जानकारी भी दी। अगर वह इसमें संधे शामिल नहीं हुआ। इसकी प्राथमिकता यूक्रेन है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से पश्चिम का ध्यान बंट रहा है, जो रूस के लिए फायदेमंद हो सकता है। उसे युद्ध से अधिक फायदा हो रहा है। लड़ाई शुरू होने ही तेल की कीमतें बढ़ पड़ीं। इससे रूस की कमाई बढ़ी, क्योंकि इसका तेल भी महंगा बिना। होमजु में रुकावट से एशियाई देशों ने भी रकबाय बढ़ाई, जहाँ रूसी तेल एक आसना विकल्प बन गया और इसका बाजार बढ़ा।

कमाई बढ़ेगी। यह कोई छोटी-मोटी घटना नहीं है। रूस के बजट का 30-45% हिस्सा तेल और गैस से आता है। कीमते बढ़ने से इसकी अरबी डॉलर की अर्थिक कमाई हो सकती है। जो करीब युद्ध अर्थव्यवस्था और यूक्रेन में तैय अर्थियन को मनुवरी करेगी। यूरोपियन यूनियन के प्रेषिडेंट एटोबिये केसरेय ने रूस को इस संकट का समेक बना विनायत बताया। उनका कहना है कि ऊँचे ऊर्जा कीमतों से रूस को फायदा मिल रहा है। जबकि संसाधन अभाव-असरा मोर्चा पर बंट रहे हैं। इथियोप और अरब प्रणाली का इस्तेमाल अन्य जगह होने से यूक्रेन की सुरक्षा भी कमजोर पड़ सकती है।

कॉल कमजोर। अमेरिका और इराकल को अंपरेसन में प्रिसिना-गाइडड इथियोप, पैट्रियट इंटरनेशनल और उद्यमन क्षमता का इस्तेमाल हो रहा है। इनका उपायोग रूस के खिलाफ संघर्ष में यूक्रेन की मदद के लिए किया जा सकता था। अगर इनकी थोड़ी भी कमी हो जाती है, तो कौन का एयर डिफेंस और लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। ऐसे मौके का रूस अपनी आली सैन्य योजना में फायदा उठा सकता है।

ईरान की निर्भरता। भू-राजनीतिक स्तर पर देखें तो यह संकट रूस और ईरान के बढ़ते संबंधों को और मनुवरी करेगा। 2025 के समझौते के बाद दोनों के बीच तनाव और खुफिया सहयोग बढ़ा है। यूक्रेन में रूस ईरानी शेरों के बढ़ते खुफिया जानकारी और कुछ मदद भी दे सकता है। कमजोर होती ईरान सरकार रूस पर ज्यादा निर्भर हो सकती है, जिससे पश्चिम एशिया में इसका प्रभाव बढ़ेगा। फिर भी इसे रूस की बढ़ती तकत फायदा गलत होगा, क्योंकि यह इन हमलों को रोक नहीं पाएगा और न ही ईरान की रक्षा कर सकेगा। इससे रकफ है कि सहयोग के बावजूद रूस सीधे तैय हस्तक्षेप से बचना चाहता है।

सुरिक्ल भी। कहा जा रहा है कि यह संकट लंबे समय में रूस के खिलाफ भी जा सकता है। अगर ईरान की सरकार गिरती है या उसे अमेरिका के साथ समझौते करना पड़ सकता है, तो रूस अपना एक अहम सहयोगी खो



रूसी वी.पी.एन. (अमेरिका और ईरान का टकराव दिखाते हैं कि एक जगह का संकट पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकता है।)

रहा है। वरार अल-असद के कमजोर होने के बाद सौरिय में इसकी स्थिति पहले ही कमजोर चुकी है। साथ ही, हमलों में ईरानी ड्रोन बानाने की फैक्टरीयों को नुकसान होने से रूस को मिलने वाली सैन्य सप्लाई भी रुक सकती है।

तात्कालिक फायदे। अक्सर में, रूस तेल से ज्यादा कमाई, पश्चिम का ध्यान बांटकर और ईरान पर अवर बढ़ाने जैसे तात्कालिक फायदे लेना चाहता है। इसलिए, यह रणनीति जोरियत परी है। लंबा संघर्ष क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ा सकता है और रूस के निवेश व प्रभाव को नुकसान पहुंच सकता है। अगर अमेरिका-इराकल जल्दी समझौते होते हैं, तो वेस्ट का ध्यान रूस से यूक्रेन पर जा सकता है।

रिथिअर अस्पष्ट। पहले ही अभी अलना-अलना रूप से रूस को फायदा मिलना दिख रहा है। लेकिन यह स्थिति मुश्किल एंसी नहीं रहने वाली। इतिहास गवाह है कि बहरी संघर्ष बडे देशों को कुछ समय के लिए फायदा देते हैं, पर लंबे समय तक नहीं टिकते। रूस अभी फायदा उठा पाएगा, यह अभी साफ नहीं है।

रहा है, लेकिन क्या वह इसे रखीय तकत में बदल पाएगा, यह अभी साफ नहीं है। (लेखक इन्वैड के किंगस कॉलेज में प्रफेसर हैं)

5 पाइंट

- सस्ते विकल्प आएंगे**
सेमाग्लुटाइड का पेटेंट खत्म होने से ओजेम्पिक (Ozempic) और वेगोव (Wegovy) के सस्ते विकल्प बाजार में आएंगे। अभी ये महंगी हैं, इसलिए इनकी पहुंच भी सीमित है। उपलब्धता बढ़ने से कोई खरीद सकेगा।
- रिस्तम बनने की चाह**
अभी मोटापा और डायबिटीज कम करने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है। सरली होने पर लोग रिस्तम होने के लिए भी इसे लेने लगेगे। इससे दवा का मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है।
- अल्टी बीमारियों का जोड़िखम**
सर्सी GLP-1 द्वारा लायो सर्सीजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। मगर, विशेषज्ञों का कहना है कि बिना जरूरत इसके सेवन से लंबे समय में किडनी या थायरॉइड जैसे बीमारियों का भी जोड़िखम है।
- पटीबायोटीक्स जैसा हाल**
विता है कि एटीबायोटीक्स की तरह लोग इसे भी ओवर-उ-काउंटर यानी बंदे प्रिस्क्रिपशन के सरीदने लगेगे। जलीनक, वेलेनस सेंसे और ऑनोचोरिक सर्वाइड वेन इसे प्रोत्साहित करेंगे, जिससे दुरुपयोग का खतरा है।
- सख्त नियमन की दरकार**
सरकार, डॉक्टरों-अस्पतालों और उद्योगों को बवा वितरण के कड़े नियम बनाने होंगे। सर्सी सर्सीजों का कड़ पहुंच सुनिश्चित करने भी होगा। गलत उपायोग, ओवर सेल पर निगरानी जरूरी होगी। (अनुसंधान: अजिंक्य मिश्र)

निष्पक्ष होना काफ़ी नहीं, दिखना भी जरूरी

युवाय आयोग और विषय के बीच का रिश्ता इस समय सबसे निचले स्तर पर है। मुख्य युवाय आयुक्त के खिलाफ विषय महाविषयग लेकर आया है। SIR को लेकर उसके सवाल हैं और आयोग की निष्पक्षता को लेकर संदेह। इस बीच 5 राज्यों के युवाय भी होने हैं। पूर्व मुख्य युवाय आयुक्त ओपी रावत ने अजय प्रयाग निवासी के साथ बातचीत में माना कि केवल सही निर्णय लेना पर्याय नहीं है, जनता और विषय का परेशान जीवन के लिए पारदर्शिता भी जरूरी है।

cVIGIL जैसे डिजिटल सुधार और युवाय आयुक्त की नियुक्ति की नई प्रक्रिया सकारात्मक कदम है, लेकिन राजनीतिक दबाव के बीच अपनी स्वायत्तता बरकरार रखना आयोग के लिए आज बड़ी चुनौती है।



ओ.पी. रावत

आयोग की अति को नुकसान पहुंचा है। किसी भी संवैधानिक संस्था को हमेशा अपनी विजिलेंसिटी पर ध्यान देना चाहिए। यह नहीं होगा चाहिए कि केवल हमें लगे कि हम निष्पक्ष निर्णय ले रहे हैं और उनका का भरोसा खोते रहे।

संघैधानिक संस्था होने के बावजूद अब युवाय आयोग की निष्पक्षता पर जनता भी सवाल पूछ रही है। आयोग के लिए यह स्थिति किन्तनी चुनौतीपूर्ण है।

आयोग के जिन फैसलों का विरोध हो रहा है, उसे उस पर आया सख्त सफरद करनी चाहिए। अगर कोई राजनीतिक दल या व्यक्ति जनता है, तो तुरंत उसकी जांच कर रिपेड सार्वजनिक करनी चाहिए। इससे लोगों को भरोसा होगा कि आयोग निष्पक्ष है।

पश्चिम बंगाल समेत 4 राज्यों और एक उच्च प्रासिद प्रदेश में युवाय की घोषणा की गई है। इसमें क्या चुनौती हो सकती है, खासकर वेगाल में?

युवाय के बजट आयोग के सारने कई चुनौतियां रहती हैं। आयोग की हमेशा कौशिल रहती है कि किसी भी राज्य में युवाय आयोगों तलके से हो जाए। वहां भी युवाय आयोग एंसी हो करेगा।

यहां कुछ धररों में आयोग पर राजनीतिक दबाव बढ़ा है या यह स्वाभाविक स्थिति है?

गमला बन गया CCTV कैमरा

कुछ दिनों पहले एक बकिस्तान के समरी से गुजर रहा था तो कहां लगे बर्ड पर नजर पड़, आप कैमरे की नहीं, अक्सर की नजरों में है। पिछले खल कृष फेले में जब एक दिन में करोड़ों के रकन की जन आने लगी थी तब दुनिया हैल में थी कि पिछले कैने? जबक आया था- AI से। एक हीटि विलम आई थी, उसमें हरिया भाकर मुंबई चलता जात है। उसके जननीतिक सख्त जाले जाब से पुलिस अफसर कतल है कि लडके का कौन फोटो दिखवाए, नहीं तो इतने बडे शहर में घूंटें कैने। यह तुरंत पलट कर पुलिसवाले से फूटत है, कबे जन फेते नहीं खीने जाते थे, तब क्या लडके नहीं घूटे जाते थे?

दुनिया में CCTV कैमरा प्रचलित होने और AI के जलवे के बीच के दौर में दुनिया में कोरोन आया था। उस समय घर से निकलना बंद था, हालकि शहरों में जरूरी सभानों के दुकानदरों और गाँवों में बिकानों को दरसे घूटे थी। लेकिन कई बडोने तब भी लगु थी और लोग धाकरीयों की चोरप में आ रहे थे। ऐसे दौर में जब बर्क प्रथम होय की दुनिया उपलव्य होने की वजह से मैं करीब उतर महीने

पर रहा था। अपने खाने लाकल खेती आज भी हमारी खेती है। उस समय मैने वहां रहते हुए यह तब किच कि इस बार सेनापती की जगह बालक मकन था नोपे। चूकि इतके बरे में काफ़ी रक संन चुक्य था। अब काल

नमक का बंड आठ कड से? बीज आया यूगी के रिखतंग मगर से। वहां से सख्त मर्ण से लखनऊ, फिर बाजु मर्ण से पठन और सड़क मर्ण से बकरा। हलांकि मर्ण में कुछ फांटे निकलत और इसे दोबाय गोरखपुर से मंगाना पड़ा। उर्रे, खेती शुरू हुई। डिक्कत यह थी मैं किता मुश्किलवत था और गाँव बाल से पठन किमी दूर। उसी दौर में मुझे कोरोन हो गया। बहर रिस्तम बंड। मैंने CCTV कैमरे को ध्यान में रखकर सोचा। इतके बुरे दौर बीच पास रखकर कहीं गाँव दिखाना दिख गया। जिस दिन गाँव में बंडा था, उसी दिन मैने फेरे से उडने में कुछ बीज डाल कर सररी कमाई। उरर, जिस दिन सररी से उखाड़ कर बात खेत में बेगे गए, उसा दिन मैंने फेरे उखाड़ कर उडनगुड गमले में बेप दिए। जिनकी बूटत बडे पौधों की हो थी, उससे किता खेत में यह बंड अंडना ला रहा था कि वहां पौधों की धरक कैने है? समझिए यह गमला CCTV कैमरा ही था। अब गाँव में फेन पर बात करने में मजबूत आने लगा था। आज तब फेरे दो फल तक लंबे हो गए हैं। लो गे हागे कि जाहल हो गई है, तुसकर गाँव में हागे को आरखयं होत था। कैमरे का गन बहत दिवें तक नहीं खुल। इसी दौरान मैंने बहत बाले गमले का फेरे रसेलत पंडिय पर डाल कर इतनी ही लिख- CCTV। आज भी मेरे कई रखाी फेन कर उसका अर्थ पूजते हैं।

खुद अपनी आंख से

नवीन कृष्ण

चलते-चलते...

एक हलिया रिसर्च बताती है कि मलेरिया के लिए जिम्मेदार परजीवी Plasmodium falciparum में संकेत डोजन की तरह एक सूक्ष्म रिस्तम होता है। इसकी संरचना में मौजूद छोटे-छोटे लोहे (हीम) क्रिस्टल जेरी से बनाते रहते हैं। इन क्रिस्टल को हाइड्रोसल पेरॉक्सिड के पानी और ऑक्सीजन से टूटने से रजनी मिलते हैं। इसी की वजह से इस परजीवी पर केमिकल का असर नहीं होता।

रीडर्स मेल

संघर्ष का असर
20 मार्च का संघारकीय 'गहलत ऊर्जा संकट' पढ़ा। यह इराकल और अमेरिका ने ईरान पर हमला वहां की सता परदर्शन के उद्देश्य से किया है, तो निष्पक्ष प्रविषय के बडे लख्य पुर होक नहीं दिखता। लेकिन इस संघर्ष ने दुनिया को एक बडे ऊर्जा संकट के खरने का सफ्ट सेकेन दे दिया है। दुनिया के सबसे बडे प्रकुक्ति गैस बंधारों में से एक सख्त पार्स गैस फील्ड पर हमले ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इससे गैस उद्यमन में गिरावट आने की आशंका है, जिसका असर वैश्विक आर्थिा पर पड़ सकता है। भारत जैसे देशों के लिए इसके परिणाम किन्तमनक हो सकते हैं। उररक, इराकल और रसायन उद्योग गैस पर कबरी निर्भर हैं- ऐसे में इनकी रफरर भीमा पड़ सकती है या उद्यमन तप भी हो सकता है।

युद्ध की नीति
18 मार्च का संघारकीय 'तक पर मनुवत' अत्यंत प्रासिक है। आज पश्चिम एशिया और मध्य पूर के हालात को ध्यान में रखा प्रतीत होत है कि भानवाकल को खोतल जा रही है। युद्ध अब केवल शक्ति प्रदर्शन और विनाश का साधन बनकर रह गए हैं। महागालत के 'शांति पत्र' में भीम फायदा होने में 'धर्म-युद्ध' की संरिका मर्याद निर्धारित की थी, जो आज के वैश्विक नेतृत्व के लिए भी एक पहलुपणी स्रोत हो सकती है। जो युद्ध नहीं कर रहा है, जो भयवती में ख निहवा हो, उस पर शरार कराने अधर्म है। युद्ध का उद्देश्य युक्त विचार से प्रभावित करना है, मनुवत बन नहीं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि युद्ध का प्रणा आम जनजीवन पर न्यूनतम पड़ें। जीत का अर्थकार और प्रतियोगी की भानवा न्यय को अंधा कर देती है। युद्ध का अंत शान्ति की स्थापना के लिए होगा चाहिए। न कि शत्रु के पूर्ण सख्त नश के लिए।

अजय खन्ना, प्रेरर कैलाश



बस एक सिलिंडर की आस

सिलिंडर की दौड़ में हारी... जनता बेचारी

एजेंसियों के वितरण केंद्रों पर सुबह से सिलिंडर लेकर लाइन में लगे रहे लोग

ईद की वजह से सिलिंडर लेने के लिए परेशान नजर आए कई उपभोक्ता

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** राजधानी में गैस सिलिंडरों के लिए मांग बढ़ी है। शुक्रवार को सुबह से सिलिंडर के लिए लोग लाइन में लगे रहे। टैंकर तक पहुंचने की राह दुहा गैस सिलिंडर मिला तो फिर भी खड़ी राह लौटना पड़ा। ईद के त्योहार पर सिलिंडर की मांग बढ़ने के कारण लोग खड़े परेशान नजर आए। हालांकि, वितरकों ने अपने शहर के लोगों को सिलिंडर मुफ्त करवाने का जो प्रयास किया, तबिक त्योहार सुरुब न हो।

होना व रेसलर कमलस सिलिंडर न मिलने से बंद है। अब परेशान सिलिंडर की डिमांड से बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को भी चेतनू गैस सिलिंडर के लिए शहर में बजार में सिलिंडर पेंटरों पर लोग बजारों में खड़े नजर आए। सिलिंडर सिलिंडर का समय 10 बजे के बाद है, लेकिन अभी बंदी के अंतर्गत में लोग मुक्त से लाइनों में खड़े रहे। इस दौरान कुछ लोगों को गैस सिलिंडर मुफ्त को बंदी लोगों को खड़ी राह लौटना पड़ा। हालांकि, एजेंसी संस्थाओं ने बुकिंग करवाने का जो प्रयास किया, तबिक त्योहार सुरुब न हो।

नहीं मिल रहा सिलिंडर ले जाने वाला लोडर

आपूर्ति विभाग की टीमों ने गैस सिलिंडर की कालबाजारी करने वाले की धरमकावट के लिए शुक्रवार को भी कई जगह की छापेमारी की। हालांकि कोई शक्यता नहीं मचा। टीम के सदस्यों ने एजेंसियों में टिप्पणी से भी आर्गुं व वितरण के दरवाजे से बंद करने है। कुछ एजेंसियों के दरवाजे में खंभेबांध नजर आ रही है, जिसे फिल्टर किया जा रहा है। वहीं, आर्गुं विभाग की एक टीम कफ़ाएत विभाग के दरवाजे के पास तीन दिन पहले गुरुद्वार ट्रक से सिलिंडर लोड करने वाले अति लोडर को तलबने का दुरा कर रही है। वीएसओ डीपी सिंह का कहना है कि अति लोडर का नंबर नजर न आने से जो तलबने में दिक्कत हो रही है। इसके बारे में पतालाप करने के साथ ही अफ़ोके गैस एजेंसी के दरवाजे खोलने जा रहे हैं।

सिलिंडरों से गैस कटिंग करने वालों पर नजर

अवैधानिक गैस सिलिंडरों से गैस कटिंग करने हुए गैस एजेंसी के टैंकर के पकड़े जाने के बाद अब आर्गुं विभाग की टीमों ने ऐसे लोगों को तलबना शक कर दिया है। एजेंसी से सिलिंडर लेकर निकलने वाले टैंकरों पर नजर रखी जा रही है। वीएसओ का कहना है कि ऐसे लोगों की धरमकावट के लिए टीमें बन्वाई गई हैं। वीएस विभाग की का कहना है कि चेतनू गैस की बंदी किल्लत नहीं है। लोगों को परेशान होने की उम्मात नहीं है।

सराफा

सोना स्टैंडर्ड 99.5
मुद्राभा: प्रति 10 ग्राम
लखनऊ 1,52,000
पंजाब 999 टॉप प्रति किलो
लखनऊ 12,41,000
स्रोत: बैंक साराफा असेसिएशन

अर्थसार

सेसेक्स 74,532.96 (+325.72)
निफ्टी 23,14.50 (+12.35)
राफ़ूएस डॉलर 93.34 (+0.89)
राफ़ूरो 107.94 (+1.18)
स्रोत: रिजर्व बैंक इंडिया

मौसम

लखनऊ तापमान **20.3°**
अधिकतम तापमान **23.5°**

सूर्योदय **6:18** | सूर्यास्त **6:08**
शनिवार | रविवार

कल खुलेंगे नगर निगम के कार्यालय

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** शुक्रवार को नगर निगम के कार्यालयों में काम शुरू हो गया। नगर निगम के कार्यालयों में काम शुरू हो गया। नगर निगम के कार्यालयों में काम शुरू हो गया।

बिजली चोरी में 11 पर एफआईआर

■ **NBT न्यूज़, लखनऊ :** बिजली चोरी रोकने के लिए शुक्रवार को कई इलाकों में लेस की और अख़बान चलाया गया। टीमों ने कार्रवाई करते हुए 11 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई। लेस अधिकारियों के मुताबिक नगर निगम ने लेस क्षेत्र में आई.डी.एम. रोड, जननीपुरम आदि इलाकों में टीमों में मॉनिंग रोड अख़बान के दौरान 50 फ़ैसलों में बिजली चोरी, इस दौरान 11 मक़ान बंद मिले जिनमें पांच जयसोक मीटर बंदबान करके बिजली का उपयोग करने पाए गए, सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

चार डॉग्स को बेरहमी से पीटा, रेस्क्यू टीम को धमकी भी दी

■ **NBT न्यूज़, लखनऊ :** अख़बान के रस्ती बटन में चार डॉग्स को बेरहमी से पीटा गया और रेस्क्यू टीम को धमकी भी दी। रेस्क्यू टीम को धमकी भी दी। रेस्क्यू टीम को धमकी भी दी।

नगरपाली की धमकी के रस्ती बटन में चार डॉग्स को बेरहमी से पीटा गया और रेस्क्यू टीम को धमकी भी दी। रेस्क्यू टीम को धमकी भी दी। रेस्क्यू टीम को धमकी भी दी।

वृंदावन कॉलोनी के लिए करें बजट का इंतज़ाम : HC

■ **NBT न्यूज़, लखनऊ :** हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने नगर निगम, लखनऊ को आदेश दिया है कि वह अख़बान कॉलोनी के लिए बजट का इंतज़ाम करें। अख़बान कॉलोनी के लिए बजट का इंतज़ाम करें। अख़बान कॉलोनी के लिए बजट का इंतज़ाम करें।

शहर में आज

- शनिवार, 21 मार्च**
 - सांठिब कलम से कायुंर तक बिच पर फैल चर्च, लखनऊ फुलक मेला, वीरगंगा, दोहरा 2 बजे।
 - विश्व कपुजाली दिवस 2026, अंतरराष्ट्रीय वीरगंगा संस्थान, नोमोडोवर, शाम 6 बजे।
 - रविवार, 22 मार्च
 - शहीदपुत्र की और से इमूनी एलजी समिट 2026, अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर, दोहरा 1 बजे।
 - उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखन की और से कला सभेत और राज

अमूल दूध

ईद मुबारक

अमूल दूध पीता है इंडिया

BE THE EXPERT IN RESEARCH AND INNOVATION

SRM

Join Our Ph.D. Programme

Applications open for Ph.D. Admissions June 2026

State-of-the-art Research Facilities | Vibrant and Multidisciplinary Research Environment | High Profile Research Supervisors

University 11 | Research 25
NIRF 2023 Rankings

University Fellowship
INR. 37,000/-
For NET/UGC/CSIR Qualified Candidates

INR. 31,000/-
For Other Full-Time Scholars

Eligibility: First Class Master's Degree In The Concerned Subject

Last date to submit application: 30th April 2026
To apply online: <https://admissions.srmist.ac.in/urmitonline/phdapplication>

For more information: <https://www.srmist.ac.in/research>
For queries: admissions.india@srmist.ac.in

Directorate of Research, SRMIST, Kattankulathur

अभिनेत्री और स्टाइल की पहचान

वाणी कपूर

विशाल के लेटेस्ट फैशन में

ड्रेस ₹ 699

VISHAL MEGA MART

लेटेस्ट फैशन

ऑर्डर ऑनलाइन ₹ 699 से अधिक के फैशन खरीदारी पर ₹ 100 की छूट।
कूपन कोड: VAL100

सबसे बड़े फैशन ऑफर्स

- टी-शर्ट ₹ 299 | खरीदें 2 पायें ₹ 60 की छूट
- कुर्ता ₹ 799 | खरीदें 2 पायें ₹ 200 की छूट
- लेडीज़ जींस ₹ 699 | खरीदें 2 पायें ₹ 150 की छूट
- मैस शर्ट ₹ 499 | खरीदें 2 पायें ₹ 150 की छूट
- मैस जींस ₹ 799 | खरीदें 2 पायें ₹ 150 की छूट
- ड्रेस ₹ 899 | खरीदें 2 पायें ₹ 200 की छूट

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

**Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in**